भारत सरकार

पर्यटन मंत्रालय

लोक सभा

लिखित प्रश्न सं. †2022

सोमवार, 13 मार्च, 2023/22 फाल्गुन, 1944 (शक)

को दिया जाने वाला उत्तर

आध्यात्मिक पर्यटन को बढ़ावा देना

†2022. श्री श्याम सिंह यादवः

क्या पर्यटन मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) देश विशेषकर उत्तर प्रदेश में आध्यात्मिक पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए सरकार द्वारा क्या उपाय किए गए हैं;

(ख) उत्तर प्रदेश में विभिन्न आध्यात्मिक पर्यटन परियोजनाओं को पूरा करने के लिए कितनी केन्द्रीय धनराशि आवंटित की गई हैं;

(ग) उत्तर प्रदेश में प्राप्त एवं स्वीकृत आध्यात्मिक पर्यटन परियोजनाओं/प्रस्तावों का ब्यौरा क्या है; और

(घ) गत पांच वर्षों के दौरान आध्यात्मिक पर्यटन से अर्जित राजस्व का वर्ष-वार ब्यौरा क्या है?

उत्तर

पर्यटन मंत्री (श्री जी. किशन रेड्डी)

(क): पर्यटन मंत्रालय अन्य बातों के साथ-साथ उत्तर प्रदेश में आध्यात्मिक पर्यटन सहित भारत के पर्यटन गंतव्यों का समग्र रूप से संवर्धन करता है।

(ख) और (ग): पर्यटन का विकास मुख्य रूप से सम्बन्धित राज्य सरकार/संघ राज्यक्षेत्र प्रशासन की जिम्मेदारी है तथापि पर्यटन मंत्रालय उत्तर प्रदेश सहित देश में पर्यटन अवसंरचना के विकास के लिए 'स्वदेश दर्शन', 'तीर्थस्थल जीर्णोद्धार एवं आध्यात्मिक, विरासत संवर्धन अभियान' (प्रशाद) और 'केन्द्रीय एजेंसियों को सहायता' नामक अपनी चल रही योजनाओं के तहत राज्य सरकारों/संघ राज्यक्षेत्र प्रशासनों/केन्द्रीय एजेंसियों को वित्तीय सहायता प्रदान करता है। उपरोल्लिखित योजनाओं के तहत प्रस्तावों की प्रस्तुति और परियोजनाओं की स्वीकृति एक सतत प्रक्रिया है जिसे संबंधित राज्य सरकार/संघ राज्यक्षेत्र प्रशासन के परामर्श से किया जाता है तथा यह निधियों की उपलब्धता, उपयुक्त विस्तृत रिपोर्टों की प्राप्ति, योजना दिशा-निर्देशों के अनुपालन, चालू परियोजनाओं के प्रदर्शन और पूर्व में जारी निधियों के उपयोग आदि के अध्याधीन है। इस मंत्रालय ने पर्यटन अवसंरचना के विकास और आध्यात्मिक पर्यटन के संवर्धन हेतु उत्तर प्रदेश राज्य में प्रशाद योजना के तहत कुल 06 परियोजनाएं, स्वदेश दर्शन योजना के तहत 08 परियोजनाएं और केन्द्रीय एजेंसियों

को सहायता योजना के तहत 03 परियोजनाएं स्वीकृत की है। उपरोल्लिखित योजनाओं के तहत स्वीकृत परियोजनाओं का विवरण अनुबंध में दिया गया है।

(घ): पर्यटन मंत्रालय द्वारा पर्यटन क्षेत्र से सृजित राजस्व के आंकड़े नही रखे जाते हैं। तथापि पिछले पाँच वर्षों के लिए विदेशी मुद्रा आय (एफईई) निम्नलिखित है:-

वर्ष	एफईई (करोड़ रु. में)
2018	194881
2019	211661
2020	50136
2021	65070
2022	134543

****

अनुबंध

आध्यात्मिक पर्यटन को बढ़ावा देना के सम्बन्ध में दिनांक 13.03.2023 के लोक सभा के लिखित प्रश्न सं. †2022 के भाग (ख) और (ग) के उत्तर में विवरण

(क) उत्तर प्रदेश राज्य में प्रशाद योजना के तहत स्वीकृत परियोजनाएं

(करोड़ रु. में)

क्र.सं.	परियोजना का नाम	स्वीकृति वर्ष	स्वीकृत राशि	जारी की गई राशि
1.	मेगा टूरिस्ट परिपथ (चरण II)के रूप में मथुरा - वृंदावन का विकास	2014-15	10.98	10.98
2.	मथुरा जिले के वृंदावन में पर्यटक सुविधा केन्द्र का निर्माण	2014-15	9.36	9.36
3.	वाराणसी का विकास- चरण-।	2015-16	20.4	16.32
4.	गंगा नदी, वाराणसी में क्रूज पर्यटन	2017-18	9.02	9.02
5.	प्रशाद योजना - चरण ।। के अंतर्गत वाराणसी का विकास	2017-18	44.6	31.77
6.	गोवर्धन, मथुरा, उत्तर प्रदेश में अवसंरचना सुविधाओं का विकास	2018-19	39.74	30.97
	कुल		134.10	108.42

(ख) उत्तर प्रदेश राज्य में स्वदेश दर्शन के तहत स्वीकृत परियोजनाएं

(करोड़ रु. में)

क्र.सं.	परियोजना का नाम	स्वीकृति वर्ष	स्वीकृत राशि	जारी की गई राशि
1	श्रावस्ती, कुशीनगर और कपिलवस्तु में बौद्ध परिपथ का विकास	2016-17	87.89	72.56
2	रामायण परिपथ के अंतर्गत चित्रकूट और श्रृंगवेरपुर का विकास	2016-17	69.45	64.09
3	उत्तर प्रदेश में शाहजहाँपुर-बस्ती- अहर - अलीगढ़ - कासगंज – सरोसी - प्रतापगढ़ - उन्नाव - कौशांबी - मिर्जापुर - गोरखपुर – कैराना- डूमरियागंज- बागपत- बाराबंकी – आजमगढ़ में आध्यात्मिक परिपथ का विकास।	2016-17	71.91	68.32
4	उत्तर प्रदेश में बिजनौर - मेरठ - कानपुर - कानपुर देहात - बांदा - गाजीपुर - सलेमपुर - घोसी - बलिया - अंबेडकर नगर - अलीगढ़ - फतेहपुर - देवरिया - महोबा - सोनभद्र - चंदौली	2016-17	67.51	64.14

	- मिशरिख - भदोही में आध्यात्मिक परिपथ का विकास			
5	कालिंजर किला (बांदा) - मगहर धाम (संत कबीर नगर) - चौरी चौरा, शहीद स्थल (फतेहपुर) – मौहर स्थल (घोसी) - शहीद स्मारक (मेरठ) में विरासत परिपथ का विकास	2016-17	33.92	32.27
6	रामायण परिपथ के अंतर्गत अयोध्या का विकास	2017-18	127.21	115.46
7	जेवर - दादरी - सिकंदराबाद - नोएडा - खुर्जा – बांदा में आध्यात्मिक परिपथ का विकास	2018-19	12.03	11.43
8	गोरखनाथ मंदिर (गोरखपुर), देवीपट्टन मंदिर (बलरामपुर) और वटवाशिनी मंदिर (डुमरियागंज) में आध्यात्मिक परिपथ का विकास	2018-19	18.30	16.81
	कुल		488.22	445.08

(ग) उत्तर प्रदेश राज्य में पर्यटन अवसंरचना विकास के लिए केन्द्रीय एजेंसियों को सहायता योजना के तहत स्वीकृत परियोजनाएं

(करोड़ रु. में)

क्र. सं.	परियोजना का नाम	वर्ष	स्वीकृत राशि	जारी की गई राशि
1	वाराणसी/सारनाथ में स्मारकों में प्रकाश व्यवस्था (सारनाथ में धमेख स्तूप, सारनाथ में चौखंडी स्तूप, सारनाथ में लालकान का मकबरा और बनारस में मन महल)	2014-15	512.43	381.47
2	वाराणसी, उत्तर प्रदेश में तीन स्मारकों में प्रकाश व्यवस्था 1. दशाश्वमेध घाट से दरबंगा घाट (300 मीटर का फैलाव) 2. तुलसी मानस मंदिर 3. सारनाथ संग्रहालय	2017-18	293.55	293.54
3	राष्ट्रीय जल मार्ग संख्या 1 और 2 पर नदी क्रूज के पोतारोहण/पोतावरोहण के नौ मुख्य स्थलों पर जैट्टी के विकास के लिए केंद्रीय वित्तीय सहायता (वाराणसी और इलाहाबाद-I, इलाहाबाद-II), बिहार (भागलपुर), पश्चिम बंगाल (कोलकाता) और असम (नेमती, पांडु, जोगीघोपा और विश्वनाथ घाट)	2019-20	2803.05	700.76
	कुल		3609.03	1375.77

****